ODOP

एक जनपद एक उत्पाद

नई उड़ान, नई पहचान

सिल्क फैब्रिक्स / सूती वस्त्र / कालीन उत्पाद का आयोजन

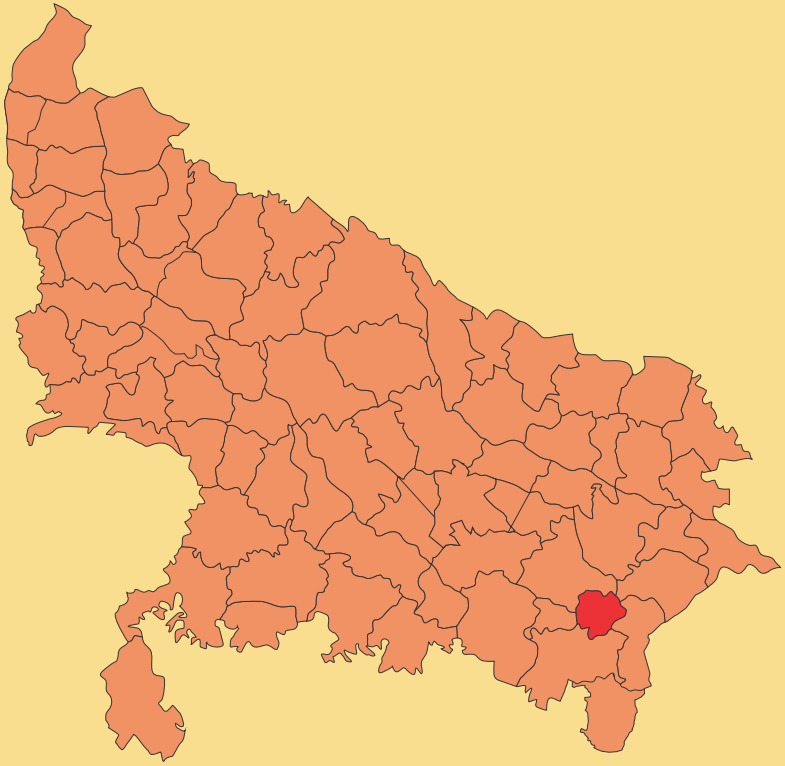

उन्नत होता उत्पाद उभरता बनारस

उन्नत होता उत्पाद उभरता बनारस

व्यापार केन्द्र
TRADE CENTRE

उन्नत होता उत्पाद उभरता बनारस

वाराणसी सिल्क उत्पाद

- प्राचीनकाल से ही वाराणसी उद्योग और व्यापार का प्रमुख केन्द्र रहा है । वाराणसी अपने किमखाब और सिल्क उत्पादों के लिए विश्व प्रसिद्ध है।
- वाराणसी आज भी सिल्क बुनने वाले केन्द्रों में से एक है और यहाँ लगभग 60,000 हथकरघे एवं 70,000 पावरलूम पर 1,50,000 से ज्यादा बुनकर कार्य कर रहे हैं।
- वाराणसी से लगभग रू0 600 करोड़ का सिल्क उत्पाद विभिन्न देशों में निर्यात किया जाता है।
- हजारों साल पुराने वाराणसी परिक्षेत्र के 10 उत्पादों (बनारसी ब्रोकेड एण्ड साड़ीज,मेटल रिपोजी,लकड़ी के खिलौने,ग्लास बीड्स, हस्तनिर्मित भदोही कालीन, हस्तनिर्मित मिर्जापुर दरी एवं निजामाबाद ब्लैक पॉटरी, गाजीपुर वाल हैगिंग, स्टोन कार्विंग) को जियोग्राफिकल इन्डीकेशन (जी0आई0) से सर्वाधिक बौद्धिक सम्पदा वाला गौरव भी प्राप्त है।

वाराणसी
सिल्क उत्पाद

- एक जनपद एक उत्पाद (ओ0डी0ओ0पी0) योजना के तहत वाराणसी परिक्षेत्र के जनपदों में जी0आई0 उत्पादों सिल्क उत्पाद, कार्पेट, पाटरी इत्यादि विशिष्ट उत्पादों को चयनित कर इसके समस्त विकास के लिए सरकार द्वारा प्रभावी नीतियां क्रिन्यावित की जा रही हैं।
- हाल ही में सरकार द्वारा हस्तशिल्प उत्पादों पर जी0एस0टी0 दर कम करने के फैसले से मूर्ति, जरी, राखी, एम्ब्राइडरी जैसे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही इन क्षेत्रों में रोजगार के नये अवसरों का सृजन भी होगा। (जी0एस0टी0 कम करके फैसले का लाभ लाखों शिल्पियों को सीधा मिलेगा।)

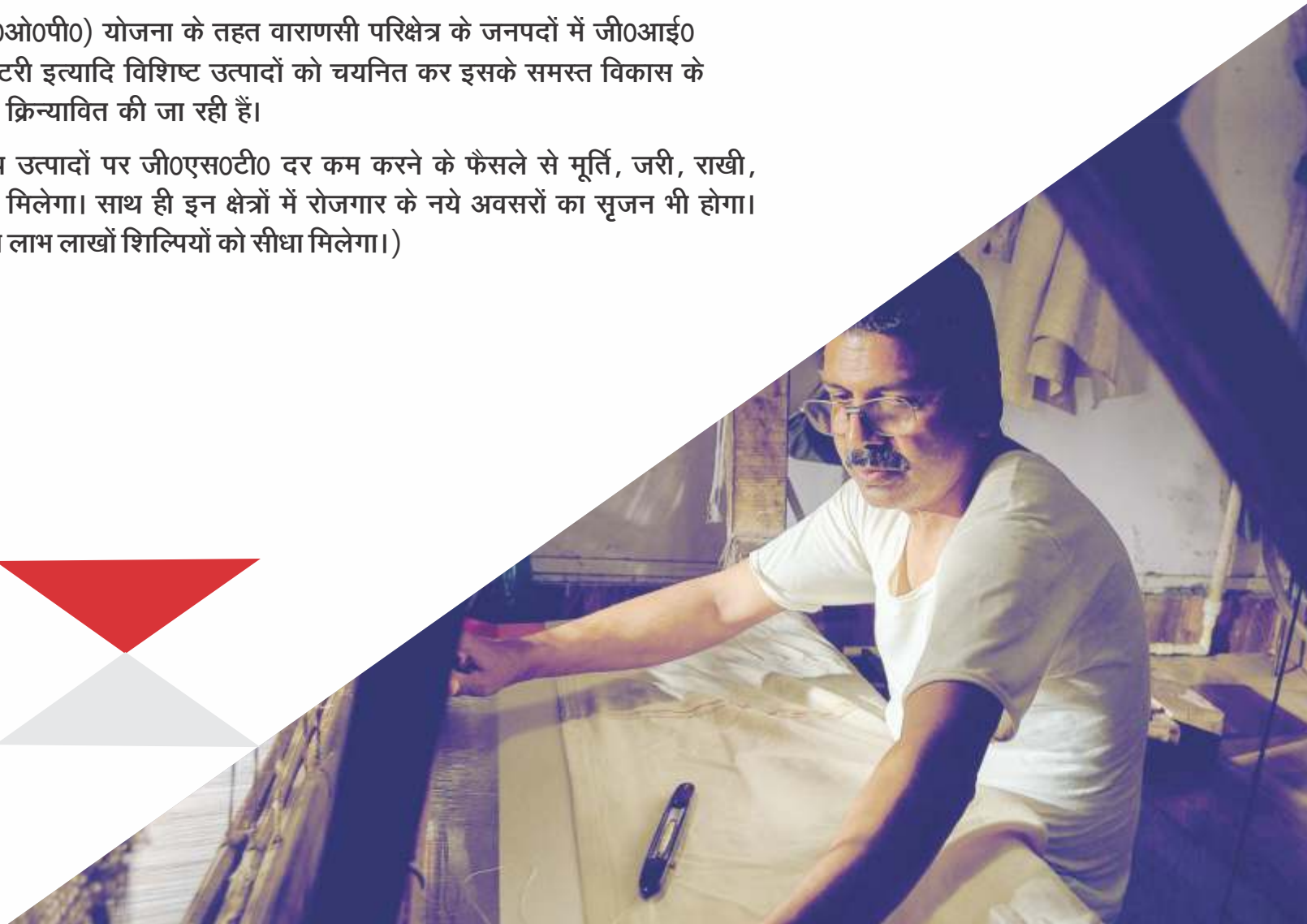

वाराणसी सिल्क उत्पाद

- केन्द्र सरकार की ओर से वाराणसी में निर्मित किये गये दीनदयाल हस्तकला संकुल, 9 हथकरघा कामन फेसेलिटी सेन्टर, 10 ब्लाक स्तरीय बुनकर योजना, हथकरघा उपकरण के लिए 90 प्रतिशत तक धन उपलब्धता तथा निर्यात प्रोत्साहन के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं।
- जी0आई0 उत्पाद, सिल्क एवं ग्लास बीड्स हेतु भारत सरकार क्लस्टर योजनान्तर्गत हाई टेक सिल्क वीविंग क्लस्टर, भरथरा, लोहता, वाराणसी एवं ग्लास बीड्स क्लस्टर एवं जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र, वाराणसी के माध्यम से स्थापित किये जा रहे हैं।

23
22
22
16
16

वाराणसी सिल्क उत्पाद

- बुनकरों/हस्तशिल्पियों को आर्थिक मद्द के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्मय से ऋण सुविधा प्रदान की जा रही है। शिल्पी बीमा जैसी योजनाओं को संचालित कर हस्तशिल्प से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने पर ध्यान दिया जा रहा है।
- उत्तर प्रदेश इन्स्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन लखनऊ के माध्यम से डिज़ाइन कॉनक्लेव का आयोजन किया गया है। हस्तशिल्प उत्पादों की डिज़ाइन में अन्तर्राष्ट्रीय गुणवत्ता व मांग के अनुरूप तकनीकी सहायता उक्त संस्थान द्वारा प्रदान किया जाता है।

नई उड़ान,
नई पहचान

गुलाबी मीनाकारी

नई उड़ान,
नई पहचान

ग्लास बीड्स

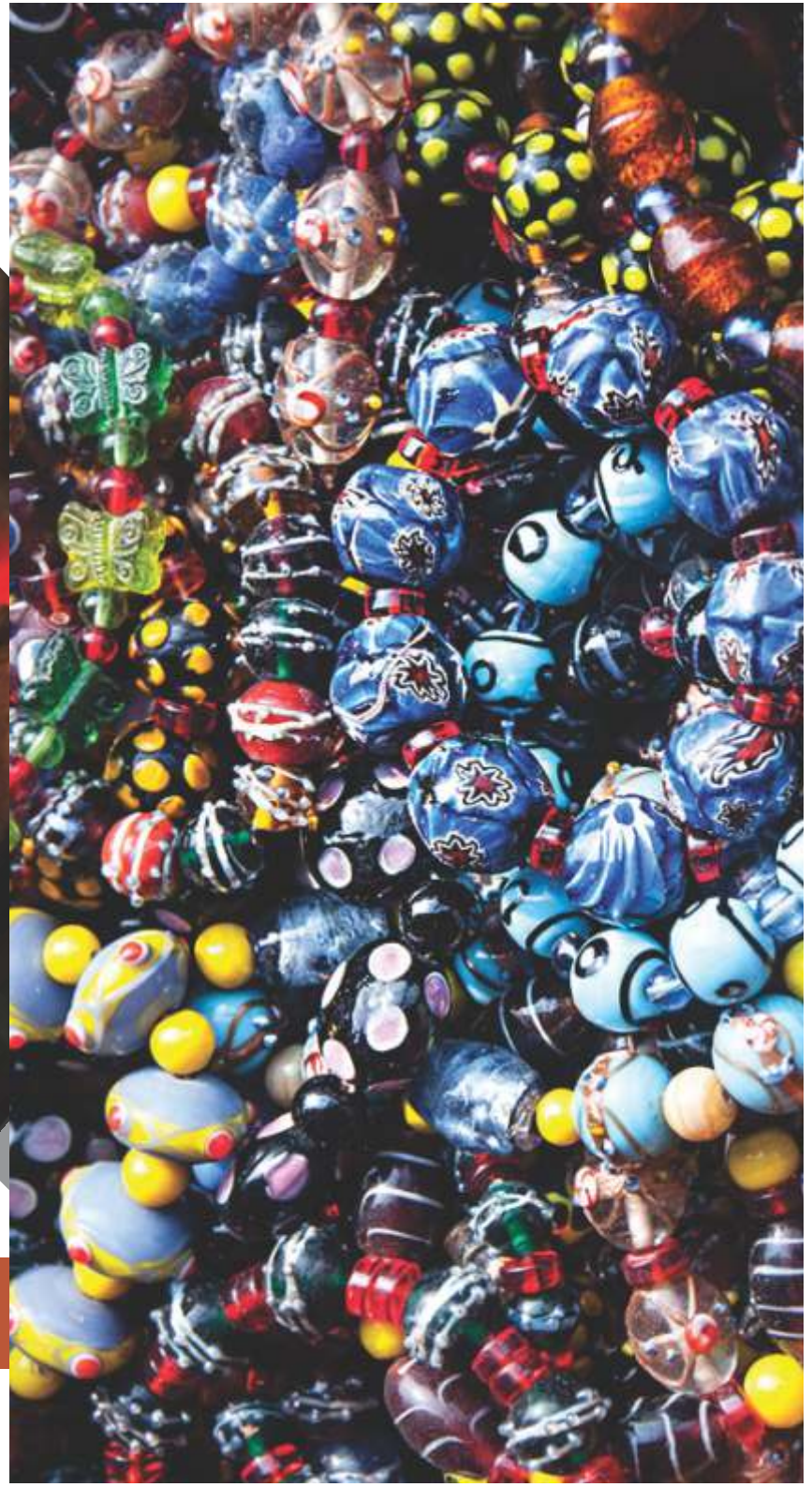

नई उड़ान,
नई पहचान

लकड़ी के खिलौने

नई उड़ान,
नई पहचान

बलैक पॉटरी

मिर्जापुर कालीन

मिर्जापुर में कालीन का निर्माण हस्तशिल्पियों द्वारा परम्परागत तरीके से ऊनी व सूती धागों से किया जाता है। इसके लिए कच्चा माल (ऊन/सूत) पानीपत एवं बीकानेर से मंगाया जाता है। मिर्जापुर में 9 प्रकार की कालीन बनाई जाती हैं, जो निम्न प्रकार हैं :–

- हैण्ड नॉटेड
- हैण्डलूम
- हैण्ड टफटेड
- तिब्बती
- मशीन टफटेड
- कालीन दरी
- ऊलेन दरी
- चिन्दी दरी
- जकाट दरी

मिर्जापुर में कालीन निर्माण के मुख्य क्षेत्र सिटी ब्लाक, कोन ब्लाक, राजगढ़ ब्लाक, मझवा ब्लाक, हरिया ब्लाक, लालगंज ब्लाक, नारायणपुर ब्लाक आदि है। कालीन का निर्यात अमेरिका, जर्मनी, लन्दन, फ्रांस आदि देशों को किया जाता है।

जौनपुर

ऊनी दरी

ऊनी दरी बुनाई का कार्य जनपद जौनपुर में रामपुर, भाऊपुर,गेपालापुर, मजाकपुर आदि क्षेत्रों के बुनकरों द्वारा किया जाता है। वर्तमान समय में जनपद जौनपुर में ऊनी दरी का कार्य जाबवर्क के रूप में किया जाता है। यहां के हस्तशिल्पी मिर्जापुर एवं भदोही की इकाईयों के लिए कार्य करते हैं। जौनपुर में निम्न प्रकार की दरी तैयार की जाती है :–

- पंजा दरी
- हैण्डलूम दरी
- शटल दरी

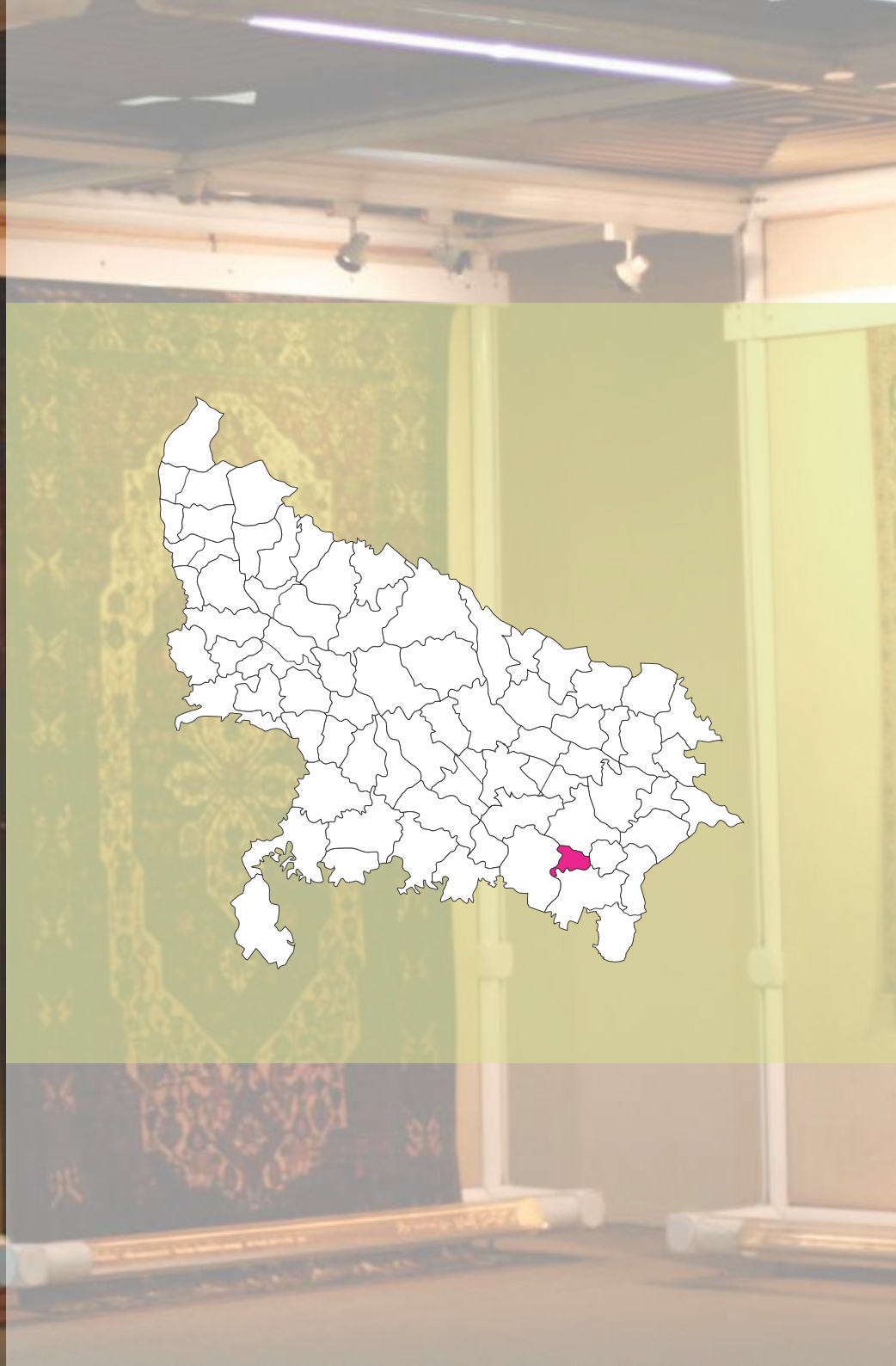

भदोही

कालीन

भदोही जनपद के हस्तनिर्मित कालीन व दरी को जियोग्राफिकल इन्डीकेशन (जी0आई0) से बौद्धिक सम्पदा वाला गौरव भी प्राप्त है। यहाँ का कालीन विश्वविख्यात है और लगभग 73 देशों में निर्यात होता है। भदोही में कालीन निर्माण/निर्यातका मुख्य क्षेत्र भदोही, खमरियां, माधोसिंह, घोसिया आदि है। भदोही जनपद को भारत सरकार द्वारा Town of Export Excellence (विशिष्ट निर्यात क्षेत्र) घोषित किया गया है।

सीतापुर
दरी

सीतापुर जनपद सूती और ऊनी दरियों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। सीतापुर में लहरपुर, हरगांव, बिसवॉ एवं खैराबाद कस्बा दरी निर्माण में अग्रणी है। वर्तमान समय में काटन दरी के साथ–साथ पीवीसी दरी, जूट की दरी एवं चिन्दी दरी (पुराने कपड़ों की ब्लीचिंग करके पतली–पतली चीट से निर्मित) का भी निर्माण किया जाता है। इन दरियों का निर्यात जापान, फ्रांस, इटली, डेनमार्क, ब्राजील, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, कनाडा सहित यूरोपियन देशों में किया जाता है।

अम्बेडकर नगर
वस्त्र उत्पाद

अम्बेडकर नगर जनपद में वस्त्र उत्पाद का कार्य पावरलूम एवं हैण्डलूम दोनों प्रकार से किया जा किया जा रहा है, जिसमें स्थानीय हस्तशिल्प तकनीक का प्रयोग किया जाता है। पावरलूम से वस्त्र उत्पाद का कार्य मुख्यत : टाण्डा क्षेत्र में किया जाता है।

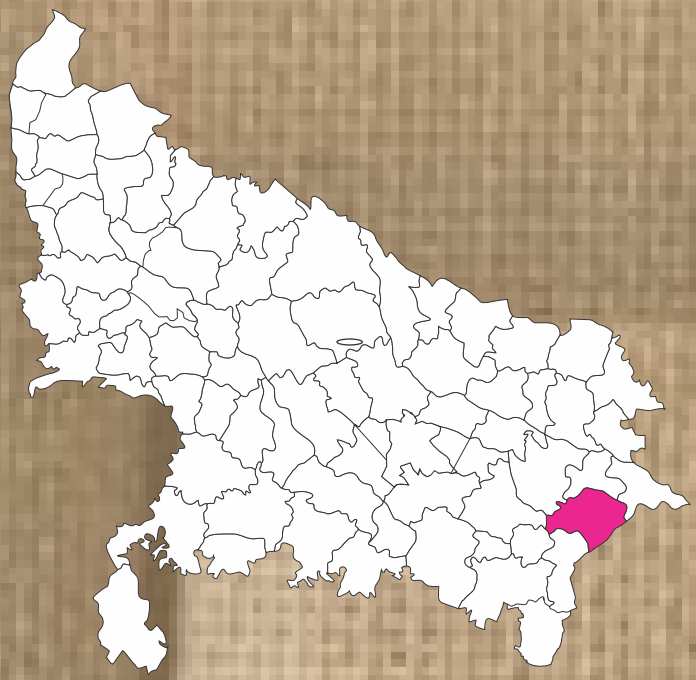

गाजीपुर

जूट वाल हैगिंग्स

जनपद गाजीपुर में जूट वाल हैगिंग का कार्य मुख्यतः देवकली, करण्डा, सैदपुर एवं मनिहारी ब्लाक के ग्राम–पहाड़पुरकलां, सौरी, सम्मनपुर, शादियाबाद, ईशनपुर भितरी, कुर्बान सराय, पचारा, उधरनपुर, सबुआ, मुस्लिमपुर, बासूचक, विशुनपुरकलां, रसूलपुर कोलवर, भिखईपुर, कटैला, सईचना, कुर्बान सराय, भदेव, बरहपुर, धुर्वाजून आदि में होता है। इसका उत्पादन हस्तशिल्पियों द्वारा परम्परागत तरीके से हैण्डलूम, कसीदाकारी एवं पच्चीकारी के आधार पर होता आ रहा है। इसमें मुख्यतः जूट, सूती धागा, ऊन, रेशम, रंग, फेवीकोल, कैमिकल्स, फोम, दफ्ती, लकड़ी की बिट, वेलवेट, कपड़ा एवं पेपर का प्रयोग होता है। जूट वाल हैगिंग के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के आकर्षक प्राकृतिक, धार्मिक एवं सजावटी कलाकृतियों का उत्पादन होता है, जिसका उपयोग दीवारों पर सजावटी सामान के रूप में किया जाता है।

मऊ

वस्त्र उत्पाद

एक जनपद एक उत्पाद योजनान्तर्गत मऊ वस्त्र उत्पाद हेतु चयनित है। मऊ जनपद के नगरपालिका क्षेत्र कोपागंज, घोसी, मोहम्मदाबाद, चिरैयाकोट आदि जगहों पर साड़ी एवं ड्रेस मटेरियल तैयार किया जाता है। मऊ पालिस्टर साड़ी के लिये भी प्रसिद्ध है तथा उपभोक्ताओं के मांग के अनुरूप साड़ी तैयार की जाती है।

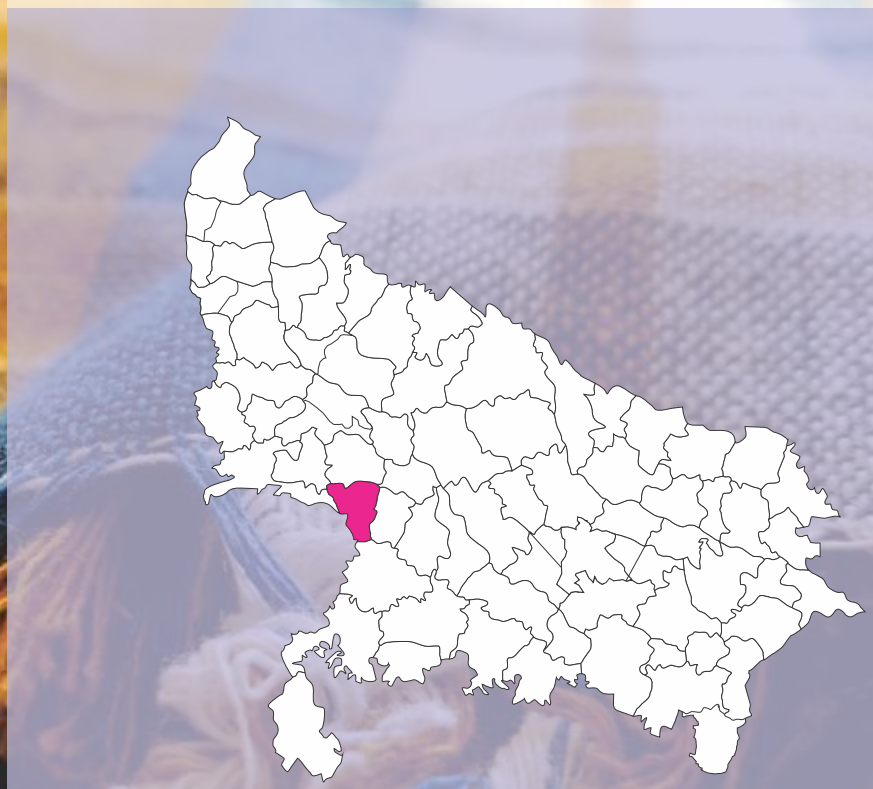

इटावा

वस्त्र

इटावा जनपद के बुनकरों द्वारा अपने घरों पर ही हथकरघे/पावरलूम स्थापित किये गये हैं तथा वे उन पर आर्डर के अनुसार वस्त्रों का उत्पादन करते हैं। इटावा के नगरपलिका परिषद क्षेत्र, जसवन्तनगर, इकदिल नगर पंचायत क्षेत्र बुनकर बाहुल्य क्षेत्र है। इटावा में पावरलूम पर मुख्यत: प्लेन बेडशीट, पर्दा, डस्टर, टेरीकॉट, गमछा आदि का उत्पादन किया जाता है तथा हथकरघों पर मुख्यत: काटन धारीदार बेडशीट, पर्दा, गमछा, लुंगी आदि का उत्पादन किया जाता है।

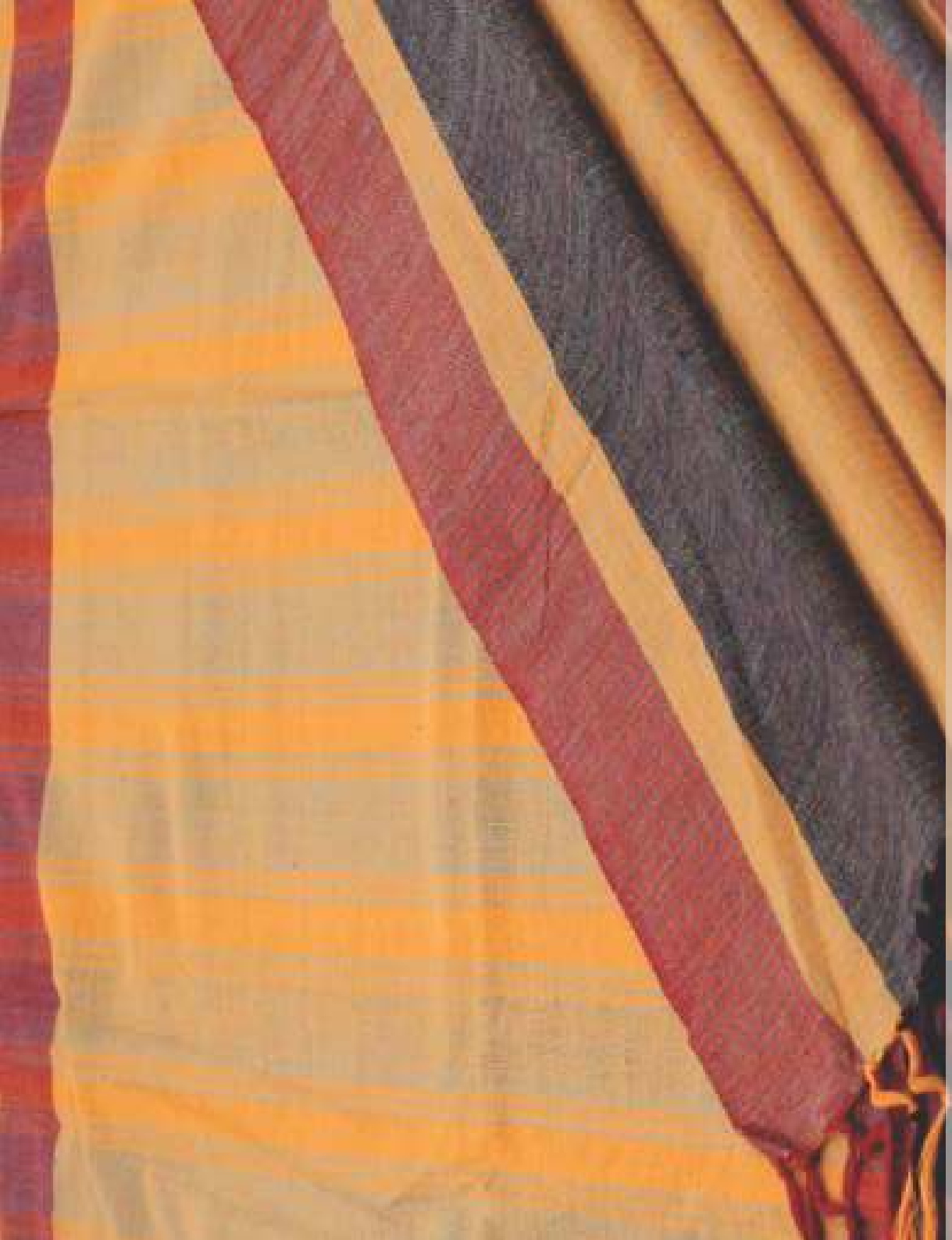

बाराबंकी

हथकरघा उत्पाद

यह उद्योग कृषि के बाद दूसरा बड़ा उद्योग है। घरलू उद्योग होने के कारण बाराबंकी के शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बुनाई का कार्य किया जाता है। यह उद्योग प्रदूषण मुक्त है। बाराबंकी में लगभग 11,200 इकाईयां हथकरघे पर कपड़ा बुनाई का कार्य कर रही है, जिसमें लगभग 56,000 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त है। वर्तमान में इन इकाईयों को कच्चा माल एनएचडीसी के डिपो द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।

सोनभद्र

कालीन एवं दरी उद्योग

सोनभद्र जनपद में ओ0डी0ओ0पी0 हेतु कालीन एवं दरी उद्योग चिन्हित किया गया है। बुनकरों द्वारा अपने घर में हथकरघे/पावरलूम स्थापित कर जनपद रविदासनगर एवं मिर्जापुर के निर्यातक के यहां से आर्डर डिजाइन कच्चा माल लेकर पारिश्रमिक पर अपने घर पर ही कालीन बुनाई का कार्य किया जाता है। कालीन बुनाई की विधा में सूत की रंगाई से लेकर फिनिशिंग एवं पैकेजिंग तक निम्न विधा है :–

- सूत की रंगाई
- डिजाइन
- कालीन बुनाई
- फिनिशिंग
- धुलाई
- पैकेजिंग

नोट

एक जनपद एक उत्पाद

नई उड़ान, नई पहचान

आयुक्त एवं निदेशक उद्योग
ओ0डी0ओ0पी0सैल, निर्यात भवन
8 कैण्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ 226001
ई–मेल : odopcell@gmail.com बेबसाइट www.odopup.in
टोल फ्री नं0 : 18001800888